विदर्भ स्वाभिमान

RNI NO. MAHHIN / 2010 /43881

संपादक : सुभाषचंद्र दुबे

प्रबंधक : सौ. विणा एस. दुबे

www.vidarbhswabhiman.com

❖ अमरावती, गुरूवार 8 से 14 अगस्त 2024 ❖वर्ष :15 ❖अंक- 07 ❖ पृष्ठ 12 ❖ मूल्य - 20/-आरएनआई नं. MAHHIN/2010/43881 पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2022-2024 ❖डाक : शुक्रवार-शनिवार

बाबूजी के आदर्श विचार

पूज्य बाबूजी का जीवन सिद्धांत

दर्द समझने वाला ही अपना

दुनिया में बहुत कम लोग होते हैं जो लोगों का दर्द समझते हैं. जो बिना कुछ कहे आपके दर्द को समझ ले, उससे बड़ा हितैषी नहीं हो सकता है. जो जिस बात से आपको दुःख होता है, यह जानते हुए भी तकलीफ देने का काम करे, अपना बहुत प्रिय रहे, उसके बारे में क्या कहना चाहिए. परिवार में पिता के जैसे त्याग किसी का नहीं होता है लेकिन उसकी भावनाएं जब नहीं समझी जाती है तो उसका दर्द केवल वही समझ सकता है. अपने माता-पिता का सम्मान करो, क्योंकि उनके साथ जैसा करोगे, वैसा ही तुम्हे भी मिलेगा.आपका दिन समाधान कारक और मंगलमय हो.

अमरावती विस सीट रहेगी सबसे हॉट सीट

राज्य विधानसभा चुनाव को लेकर मची होड़, कौन होगा दमदार प्रत्याशी

विदर्भ स्वाभिमान, 7 अगस्त

अमरावती- कहते हैं कि जिस शहर के लोग बुद्धिमान होते हैं, उसी शहर का विकास होता है. विकास का विजन रखने वाले नेताओं के कारण ही विकास की गंगा शहर में बहती है. लेकिन जहां इसका अभाव होता है, वहां बेरोजगारी, गरीबी और सड़क के गड्ढे वाली स्थिति होती है. नेताओं का विजन अगर दमदार रहता है तो उस शहर का विकास तेजी से होता है. पिछले 10 साल से अमरावती विकास में पिछड़ने से कोई भी इंकार नहीं कर सकता है. इसके लिए नेता जितने जिम्मेदार हैं, उतने ही जिम्मेदार मतदाता भी होते हैं. संभागीय मुख्यालय नगरी होने

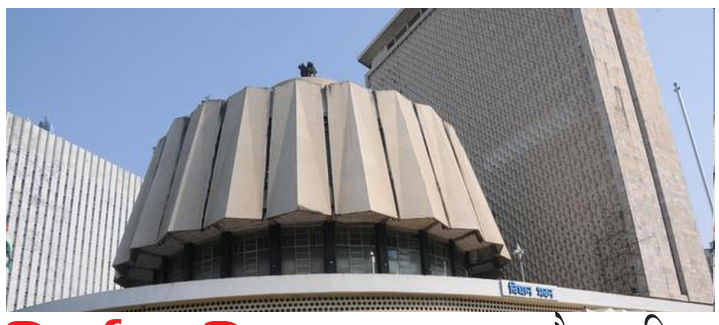

विदर्भ स्वाभिमान हमारा क्या है नजरिया

के बाद भी इसका विकास नागपुर की तुलना में नगण्य है. शासकीय मेडिकल कॉलेज. बेलोरा हवाई अड्डा विकास तथा अन्य विकास की क्या स्थिति है और क्यों है, यह बताने की जरूरत नहीं है. शहरवासी अच्छी तरह से जानते हैं. आगामी विधानसभा चुनाव में अमरावती की यह विधानसभा सीट हॉट सीट साबित होने वाली है. शहर तथा जिले की राजनीति में नागपुर के नेताओं जैसे विकास के लिए स्पर्धा नहीं लगती है. बल्कि मेहनत किसी की रहती है, श्रेय कोई लेने की घटिया स्पर्धा लगती है. यही कारण है कि पांच साल से जिले का विकास पूरी तरह से प्रभावित हुआ है. डॉ. सुनील देशमुख को विकास पुरूष लोग मानते हैं और यह भी मानते हैं कि कोरोना महामारी के समय अमरावती अगर लाखों जिंदगियों को बचा सका तो उसका श्रेय डॉ. सुनील देशमुख के विजन को देना चाहिए. राजनीति में सभी को मौका मिलना चाहिए, लेकिन इसके साथ ही किसका विजन विकास का है, शहर के विकास का है या नहीं, यह भी देखना पड़ेगा. नागपुर में काम करने की, हमारे यहां नौटंकी करने वाली प्रवृत्ति तेजी से बढ़ी है. शासकीय महाविद्यालय मंजूर होने के बाद इसका अनुभव शहरवासी कर रहे हैं.

श्रद्धा

होलसेल फॅमिली शॉपिंग मॉल

त्योहारों की खुशियाँ
पुरे परिवार के साथ

■ लेडीज वेयर ■ मेन्स वेयर ■ किड्स वेयर

रियल होलसेल शोरूम

■ 2 रा माला, तखतमल ईस्टेट, अमरावती. 07212568003
■ बिजीलैंड, नांदगाँवपेठ, अमरावती. 0721-2381680

विदर्भ स्वाभिमान

शहर के साथ ही जिले के विकास को लेकर आपकी क्या राय है, क्या आप संतुष्ट हैं, मतदाता को किस तरह का नेता अमरावती शहर, सभी विधानसभा सीटों के साथ ही आगामी महानगर पालिका चुनाव के लिए चाहिए, कौन से ऐसे पार्षद हैं, जो विधायक की योग्यता रखते हैं और लोगों का विश्वास जीता है, इस बारे में विदर्भ स्वाभिमान द्वारा पहल की जा रही है. इसमें आप भी जिम्मेदार नागरिक के रूप में सहभागी होकर अपनी भावनाएं व्यक्त कर सकते हैं. लोग ही विकास का अधिकार रखते हैं. सही व्यक्ति को चुनने पर विकास होता है, आप भी शहर विकास के बारे में अपनी राय भेजें, उन्हें प्रकाशित किया जाएगा.

आपकी राय वाटसअैप नं. 9423426199 पर भेज सकते हैं.

होलसेल भावात
संपूर्ण लग्न बस्ता

आराधना

होलसेल शॉपिंग मॉल

होलसेल रेट में रिटेल विक्री

डिझाईनर साडीयाँ, ड्रेस मटेरिअल, सलवार सुट, सुटिंग शर्टिंग, मेन्स वेअर

फॅशन | ज्वेलरी | किड्स् वेअर | शूज व सँडल | होम डेकोर | मैटिंग

जवाहर रोड, अमरावती. © 2574594 / L 2, बिझीलॅन्ड कॉम्प्लेक्स, नांदगावपेठ, अमरावती.

संपादकीय

देश में पौधारोपण और संरक्षण का अभियान

प्रकृति ने हमें कितना कुछ दिया है लेकिन हम उसे क्या दे पाते हैं, यह भी सोचनीय सवाल है. आज पेड़ों को कभी स्वार्थ के नाम पर तो कभी विकास के नाम पर काटा जाता है. इससे तेजी से पर्यावरण संतुलन बिगड़ रहा है. लेकिन हैरत की बात है कि ग्लोबल वार्मिंग से जूझ रहे पूरे विश्व में पौधारोपण और उसकी सुरक्षा को लेकर जागरूकता आयी है और हमारे यहां लोगों को इसके लिए जागरूक करने पर करोड़ों रूपए खर्च करने पड़ रहे हैं. हालांकि हमारी 140 करोड़ की आबादी एक दिन में एक-एक पौधा लगाए और उसे संरक्षित करने का प्रण कर ले तो भारत में पर्यावरण संतुलन की समस्या कभी नहीं आएगी. इन्सान ने कोरोना महामारी को देखा है, मौसम बिगड़ने से क्या-क्या होता है, इसका भी अनुभव किया है. लेकिन आज भी लोगों को पेड़ लगाने के लिए जागरूक करना पड़ रहा है, यह अत्याधिक चिंता है. हमारे बुजुर्गों ने हमें हरी-भरी बसुंधरा दी थी, आज ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार के लिए पलायन शहर की तरफ तेजी से आ रहा है. लेकिन यह कोई नहीं समझ पा रहा है. जिस तरह से हम प्राकृतिक संतुलन के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं, वह हमारे के लिए आने वाली पीढ़ियों के लिए बड़ा खतरा बन सकता है. यह जरूरी है कि समय रहते अगर हम नहीं चेते तो हमें संभलने का मौका भी प्रकृति नहीं देगी. हम दवाखाने में आक्सीजन पर रहते हैं तो निकलने वाले बिल से बिचलित होते हैं लेकिन प्रकृति हमें मुफ्त में यह देती है और जीवन संवारती है तो उसका महत्व नहीं समझ पा रहे हैं.

पर्यावरण का संतुलन बिगड़ना भावी पीढ़ियों के लिए खतरनाक साबित हो सकता है. ऐसे में पौधारोपण तथा संवर्धन का महत्व बच्चों को सिखाना जरूरी है. आज यह संतोष की बात है कि सरकार के साथ ही निजी संस्थाओं द्वारा भी पौधारोपण के महत्व को समझने का प्रयास किया जा रहा है. विभिन्न संस्थाओं द्वारा जिस तरह से पौधारोपण किया जा रहा है, वह निश्चित ही अपने आप में बेहतरीन बात कही जा सकती है. सरकार पर ही ठीकरा फोड़ने की बजाय हमारा भी कुछ कर्तव्य होता है. जिले में पौधारोपण का सिलसिला इसी तरह चलता रहना चाहिए. आज समय है हमें संभलने का, हम अगर आज नहीं संभले और प्रकृति के साथ इसी तरह का दोहन का सिलसिला चलता रहा तो निश्चित तौर पर आगामी दिनों में समस्या बढ़ सती है. बारिश शुरू है हर व्यक्ति को चाहिए कि वह अपने घर के सामने कम से कम एक पौधा रोपित करे और इसे बड़ा कर छांव में राहत लेने वाले मानव, पशु-पक्षी का आशिर्वाद लेने का प्रयास करे. यह आज की जरूरत है. जब हमारी आदत पड़ जाएगी तो निश्चित तौर पर यह बात बहुत आसान होगी.

बिगड़ता परिवार तंत्र हैं खतरे का संकेत

विदर्भ स्वाभिमान

मेरी तो खरी-खरी

www.vidarbhswabhiman.com/9423426199

आमदनी अठन्नी,खर्चा रूपैया की समस्या से आज पूरा भारत परेशान है. कई बीमारियों का कारण आज परिवार बन रहा है. जबकि कुछ दशकों पहले तक परिवार का प्रेम ताकत देता था और लोग 100 साल से अधिक समय तक जिंदा रहते थे. लेकिन जब से हम दो हमारे दो की योजना पर काम शुरू हो गया और परिवार में बच्चे मोबाइल के सहारे हो गए, तब से संस्कारों का सत्यानाश हो गया. आज स्थिति यह है कि बाल अपराधियों की संख्या में जिस तरह से बढ़ोत्तरी हो रही है, वह चिंता की बात है. पुलिस पर हाथ झटकते हुए हम अपनी जिम्मेदारी से नहीं बच सकते हैं. बचपन जो दादा-दादी, काका-काकी और अन्य रिश्तों को सम्मान देना बचपन से ही सीखते थे आज बदलते दौर में कई रिश्ते ही इतिहास बनने की कगार पर पहुंच रहे हैं. इन रिश्तों के कारण लोगों को तनाव बढ़ रहा है, इससे लोगों के जीवन में बचपन से ही बीपी, शुगर, हाइपरटेंशन सहित कई बीमारियां बढ़ रही हैं. नैतिकता का सवाल पैदा ही नहीं हो रहा है. पहले घर से ही बच्चे नैतिकता सीखते थे, हमारे बचपन में हम हमारे बाबूजी से जितना नहीं डरते थे, उससे अधिक हमारे चाचा स्वर्गीय पंडित गयाप्रसाद, शिवप्रसाद तथा राधेश्याम दुबे से डरते थे. आज बचपन नशे की गर्त में जा रहा है. आज युवाओं में जिस तेजी से व्यसन की लत बढ़रही है, वह आगामी भविष्य के लिए उनके,परिवार के साथ ही देश के लिए भी खतरा है. ऐसे में

जरूरी है कि हम अभी से नैतिकता, आदर्श संस्कारों के साथ ही संयुक्तपरिवार के रिश्तों को मजबूत करें. आज अगर गांवों को आर्थिक रूप से मजबूत किया गया होता तो शहर में लोगों का पलायन नहीं होता है. पहले त्यौहार हमारी आर्थिक ताकत बनते थे, जब व्यक्ति को गांव में ही रोजगार मिल जाए तो वह अपने घर-द्वार छोड़कर बाहर क्यों जाएगा. लेकिन आज रिश्तों में बढ़ती खटास, बिना लिबास के आने और कफन के लिए लोग किस तरह एक-दूसरे के गले काटने का मौका मिले तो वह भी नहीं छोड़ने वाली मानसिकता और इससे होने वाली परेशानी, दिन भर काम और रात में सुकून की नींद से भी मोहताज होकर अपने शरीर को बीमारियों का घर बना रहे हैं, यह अलग से किसी को बताने की जरूरत नहीं है. ऐसे में समाज में ऐसे लोगों की भी कमी नहीं है जो इस स्थिति को बदलने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं.

अब पछताए का होत है....

कहावत है कि समय पर किया गया कोई भी काम बेहतरीन होता है. लेकिन एक बार समय निकल जाए और उसके बाद कितना भी प्रयास करो, कोई लाभ नहीं होता है.मां पर बच्चों पर संस्कार डालने की जिम्मेदारी होती है लेकिन वह जब परिवार को तोड़ने वाली धारावाहिक और मोबाइल पर संदेश पढ़ने और बाप परिवार चलाने के लिए दिन-रात मेहनत करने में लगा है तो बचपन में संस्कार कहां से मिलेगा. मां पर बच्चे के संस्कार और पिता पर उसका भविष्य संवारने की जिम्मेदारी पहले रहती थी, यही कारण है कि पहले के बच्चे कभी पिता के सामने बोल नहीं पाते थे. आज तो पिता की मेहनत का ही मखौल उड़ाने वाला नजारा है. बेटे की जिद पूरी करने की जिम्मेदारी मां ही पिता पर डाल देती है. जब जीवन में सब कुछ मांग करते ही बच्चों को मिल जाता है तो जीवन में मेहनत क्या होती है, इसका पता ही नहीं चलता.

नेभनानी साबित हो सकते मजबूत प्रत्याशी

महायुति के प्रत्याशी के रूप में हों गे मैदान में

सर्वधर्म समभाव तथा मददगार नेता के रूप में सुख्यात

अमरावती- शहर में अल्प समय में लोकप्रिय होने के साथ ही सर्वधर्म समभाव का जतन करते हुए सभी की मदद के लिए तत्पर रहने वाले पूर्व नगराध्यक्ष रह चुके नानकराम नेभनानी को महायुति की ओर से मैदान में उतारने का फैसला लिए जाने की खबर से उनके समर्थकों में हर्ष व्याप्त है. उन्हें अमरावती विधानसभा सीट सेकांग्रेस का प्रत्याशी बनाए जाने के संकेत मिले हैं. अपने कार्यों और स्वभाव में विनम्रता से उन्होंने अमरावती में आज समाज के साथ ही शहर में भी अपार लोकप्रियता हासिल की है. ऐसे में उन्हें उम्मीदवार बनाए जाने के बाद सभी समाज के साथ से उनके विजय की संभावना और चर्चा अभी से की जा रही है. वैसे भी अमरावती सीट के लिए कांग्रेस में भी घमासान रहने की संभावना है. नेभनानी ने विदर्भ स्वाभिमान से बातचीत करते हुए कहा कि वरिष्ठ नेताओं के आदेश का वे वे पालन करेंगे.

नानकराम नेभनानी ऐसे नेता हैं, जिन्होंने व्यवसाय के साथ ही सामाजिक,धार्मिक तथा अन्य कामों में सदैव योगदान देते हुए तेजी से

अपार लोकप्रियता हासिल की है.सर्वधर्म समभाव का पालन करने वाले नेता के रूप में नानकराम नेभनानी आदर्श समाजसेवी,नेता के साथ ही सभी की मदद को दौड़ने वाले व्यक्ति हैं. स्वभाव में विनम्रता के साथ ही सभी समाज के लिए दौड़ते हैं. सिंधी समाज की प्रगति के साथ ही समाज की विभिन्न समस्याओं का निराकरण मुख्यमंत्री तथा पार्टी प्रमुख एकनाथ शिंदे के साथ मुलाकात कर करते हैं. उनका कहना है कि प्रभु जितनी प्रेरणा देता है, उसमें सेवा कार्य को महत्व देने का वे सदैव प्रयास करते हैं. मुर्तिजापुर के नगराध्यक्ष के रूप में विकास का जहां अपार प्रयास किया, वहीं अमरावती में आने के बाद भी व्यवसाय के साथ ही सामाजिक कामों में योगदान देने का प्रयास करते हैं. नानकराम नेभनानी जितने सफल व्यवसायी हैं, उतने ही बेहतरीन इन्सान हैं, जो सभी की मदद के लिए सदैव तत्पर रहते हैं. उनका व्यक्तित्व जहां लोगों को प्रभावित करता है, वहीं दूसरी ओर उन्होंने जीवन में सदैव नेक काम किये हैं. शहर में तीनों ही पार्टियों द्वारा चुनाव के लिए आए अनुभवों को ध्यान में रखते हुए तमाम मतभेदों को भुलाते हुए अब एकता पर बल दिया जा रहा है. ऐसे में यहां पर उन्हें प्रत्याशी बनाने पर निश्चित ही चित्र अलग होगा. वैसे भी अमरावती सीट को लेकर सबमें घमासान मचा है, मुस्लिम समाज को यहां से अपना उम्मीदवार चाहिए, कांग्रेस,राकांपा के साथ ही शिवसेना उबाठा में क्या सहमति बनती है, यह भविष्य बताएगा.

विदर्भ स्वाभिमान
आरएनआई नं. MAHHIN/2010/43881

यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक,संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय,छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती में प्रकाशित किया गया है.मोबाइल नंबर 9423426199/8855019189.अखबार में प्रकाशित होने वाले विभिन्न पत्र,साहित्य,लेखकों,कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं. इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है.संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सौ.वीणा सुभाषचंद्र दुबे.Email-vidarbh.swabhiman@gmail.com,www.vidarbhswabhiman.com

भक्तिभाव से ओतप्रोत है साईंमंदिर क़ा साईंचरित्र ग्रंथ पारायण

लाखों भक्तों का है आस्थास्थल, 15 साल की परंपरा बरकरार,12 अगस्त को महाप्रसाद के साथ होगा पारायण का समापन

विदर्भ स्वाभिमान, 7 अगस्त

जिले ही नहीं तो समूचे राज्य में लाखों साईंबाबा भक्तों के आस्थास्थल के रूप में सुख्यात साईं नगर स्थिति साईं मंदिर में 5 अगस्त से साई सच्चरित्र का पारायण शुरू है. इसमें बड़ी संख्या में भक्तों ने भाग लिया है. मंदिर संस्थान के प्रमुख अशोक राठी के नेतृत्व तथा सभी के सहयोग से जारी इस कार्यक्रम का लाभ लेने के लिए बड़ी संख्या में भक्त उमड़ पड़े हैं. महिलाओं का उत्साह अपार दिखाई दे रहा है. यह जिले का पहला मंदिर है, जिसका कनेक्शन सीधे शिर्डी के साईं बाबा मंदिर से है. वहां के समय पर ही पूजा-अर्चना तथा आरती होती है. इतना ही नहीं तो अमरावती के भक्त भी एलईडी के माध्यम से इसका दर्शन कर सकते हैं. मंदिर में इस आयोजन से अपार उत्साह दिखाई दे रहा है.

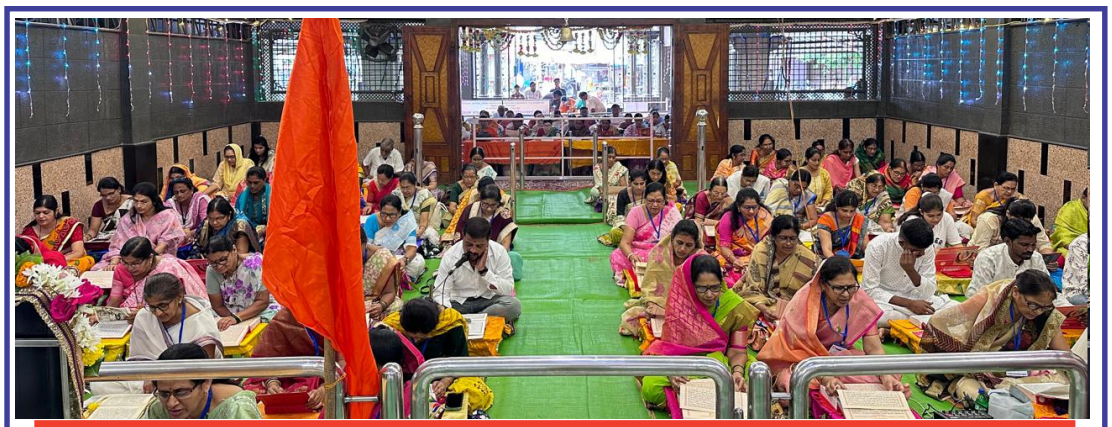

जिला ही नहीं बल्कि समूचे विदर्भ में सुख्यात स्थानीय साईनगर स्थित साईमंदिर में 5से 12 अगस्त तक साई चरित्र ग्रंथ पारायण शुरू है पिछले पाचं दिन से जारी इस पारायण में बड़ी संख्या में भक्त शामिल हो रहे है. सुबह 8 से 12 बजे तक पारायण के पश्चात आरती तथा प्रसाद वितरण का कार्यक्रम भक्तों को किया जाता है. इसका सैकड़ भक्तों व्दारा लाभ उठाया जा रहा है. सुख्यात तथा शिर्डी जैसे ही पूजा -अर्चना तथा अभिषेक आरती के लिए साईनगर स्थित साई मंदिर को जाना जाता है. पिछले पंद्रह वर्षो से मंदिर में यह आयोजन हो रहा है. बचे हुए तीन दिन में शामिल होने तथा पुण्यलाभ प्राप्त करने का आग्रह श्री साईबाबा ट्रस्ट के अध्यक्ष अशोक राठी तथा ट्रस्टियों व्दारा किया गया है . साईनगर में स्थित इस मंदिर का निर्मण भी शिर्डी की तर्ज पर किया गया है. इतना ही नहीं बल्कि साई मंदिर शिर्डी से जुड़े रहने के साथ ही सालभर मंदिर में विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है. इसी कड़ी में सावन के महीने में 5 अगस्त से 12 अगस्त तक अखंड पारायण यहां चल रहा है. श्री साईबाबा ट्रस्ट के अध्यक्ष अशोक राठी के साथ सचिव शरद दातेराव एवं सभी ट्रस्टी तथा भक्तों व्दारा कार्यक्रम की सफलतार्थ प्रयास किया जा रहा है. सोमवार 12 अगस्त को महाप्रसाद के साथ इसका समापन होगा. भक्तों से लाभ लेने का आग्रह किया गया है.

सतीधाम मंदिर में हुआ पार्थिव ज्योतिर्लिंग का महारूद्राभिषेक

51 जोड़ों ने शामिल होकर की पूजा-अर्चना, शिवालयों में उमड़े हैं भक्त,शिवालयों में बमबम भोले

विदर्भ स्वाभिमान, 7 अगस्त

अमरावती- शहर ही नहीं तो समूचे भारत में सुख्यात सतीधाम मंदिर में सावन का पावन महीना पूरे उत्साह तथा भक्तीभाव से मनाया जा रहा है. इस उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यक्रम लिये जा रहे हैं. इस कड़ी में यहां पर सोमवार 5 अगस्त को सुबह 8 बजे पार्थिव ज्योतिर्लिंग का महारूद्राभिषेक किया गया. इसके लिए मंदिर को सजाया गया था. इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भक्तों ने सहभागी होकर लाभ लिया. कार्यक्रम को अपार सहयोग और प्रतिसाद मिला और कार्यक्रम बेहतरीन ढंग से सम्पन्न हुआ.

सावन माह के पावन पर्व पर 12 ज्योतिर्लिंग का महारूद्राभिषेक किया गया. यह पर्थिव ज्योतिर्लिंग बनाने के लिए इटारसी से पंडित हेमंत तिवारी अपनी पूरी टीम लेकर आए थे. जिन्होंने विधि विधान के साथ में पार्थिव ज्योतिर्लिंग की पूजा-अर्चना के साथ महारूद्राभिषेक करवाया. पूरा मंदिर ही नहीं आसपास का क्षेत्र भी इस अनुष्ठान से भोले की भक्ती में ओतप्रोत हो गया. आयोजन में कुल 48 जोड़े शामिल हुए. एक ज्योतिर्लिंग पर चार जोड़े ने महारूद्राभिषेक किया. महारूद्राभिषेक के बाद महाकालेश्वर की भस्म आरती में भी बड़ी संख्या में भक्तों ने भाग लिया. इस आयोजन को सफल बनाने के लिए दादी परिवार अमरावती ने प्रयास किया.

विश्वेश्वर मंदिर में अभिषेक

इसी तरह रविनगर के विश्वेश्वर भोलेनाथ का अभिषेक पूजा अर्चना की गयी. सोमवार को यहां दर्शन के लिए भक्तों की बड़ी संख्या में भीड़ उमड़ती है. सोमवार को यहां हजारों की संख्या में भक्त सुबह से लेकर रात तक दर्शन का पुण्यलाभ प्राप्त करते हैं. प्राचीन गड़गड़ेश्वर महादेव में रोज भक्तीभाव वाले कार्यक्रम जारी हैं. भोलेनाथ के श्रृंगार के साथ ही मंदिर में भजन तथा पूजन का कार्यक्रम होकर

विदर्भ स्वाभिमान की वर्षगांठ तथा पवित्र गुरु पूर्णिमा के मौके पर प्रकाशित विशेषांक का विमोचन करते समाजसेवी सुदर्शन गांग, जवाहर गांग मुख्याध्यापकों के साथ संपादक सुभाष दुबे, डिजाइनर संजय भोपाले. सभी ने गुरूपूर्णिमा और विदर्भ स्वाभिमान के 15वें वर्ष में पदार्पण पर प्रकाशित विशेषांक की सराहना की.नीचे शिव स्पोर्टस प्वाइंट के संचालक और युवा समाजसेवी अभिषेक पंजापी ने अंक का विमोचन करते हुए इसे बेहतरीन प्रयास बताया.साथ में संपादक पंडित सुभाषचंद्र दुबे.

रिश्तों की कीमत धन-दौलत से सदैव अधिक रखें

पूज्य प्रदीप मिश्रा क़ा मत, बुरे कर्म कभी भी पीछा नहीं छोड़ते हैं, इनसे बचते रहें

विदर्भ स्वाभिमान

अपनों को कभी धोखा नहीं दें,बड़ी तकलीफ

श्री विट्ठलेश सेवा समिति के प्रमुख और अंतराष्ट्रीय कथा प्रवक्ता पंडित प्रदीप मिश्रा के मुताबिक जीवन में जो लोग तुम्हे दिल से चाहते हैं, ऐसे लोगों के साथ छल कभी नहीं करना. क्यों कि इस तरह काछल भगवान भी बर्दाश्त नहीं कर पाते हैं. किसी के काम आ सको तो आओ, अगर नहीं आ सकते हो तो किसी को अपने व्यवहार, अपनी वाणी से कभी दुख नहीं पहुंचाना. जीवन में इतना भी कर सके तो बड़ा पुण्य संचय हो जाएगा, मुसीबतों से वैसे ही भोले बचा लें गे.

बुराई कभी नहीं छोड़ती है पीछा

क़हते हैं कि जिस तरह कीचड़ में पत्थर मारने पर उसका गंदा हिस्सा हमारे शरीर पर गिरता ही है. उसी तरह बुरा काम करने वाले को कभी इससे राहत नहीं मिलती है. इसलिए जितना संभव हो सके मनुष्य जीवन का उपयोग अच्छे कामों में करते हुए जीवन संवारना चाहिए. हम भाग्यशाली हैं कि हमें भारत में जन्म का अवसर मिला है. इतना ही नहीं तो जब हम किसी के बारे में अच्छा सोचते हैं और करने का प्रयास करते हैं तो उसका सीधा असर हम पर भी पड़ता है. ऐसा सोचने मात्र से हमारा बुरा नहीं होता है. सभी धर्मों और शास्त्रों में भी सत्कर्म की महत्ता बताई गई है. जो शास्त्र इन्सानियत और मानव धर्म को नहीं मानते हैं, वे शास्त्र हो ही नहीं सकते हैं. उसी तरह जो धर्म दूसरे धर्म को नीचा दिखाने और अन्य धर्मीयों के बारे में अच्छी सोच नहीं रहखता है वह धर्म हो ही नहीं सकता है. मानव जीवन में ही प्रभू ने हरि सुमिरन का विधान किया है. यही कारण है कि मानव जन्म पाने के लिए देवा भी तरसते हैं. लेकिन दुर्भाग्य इन्सान के रूप में जन्म मिलने के बाद भी ज़ब हम बुरे कर्म करते हैं, किसी का मन दुखाते हैं और किसी के दिल को चोट पहुंचाते हैं तो यह भगवान भी बर्दाश्त नहीं कर पाते हैं. इसलिए जीवन में जितना संभव हो सके, अच्छाईयों का साथ पकड़ते हुए सदैव अच्छी सोच के साथ ही काम करते रहें. ऐसा करने से जीवन किस तरह खुशियों से भर जाएगा, पता नहीं चलेगा. अभिमान का त्याग ही इन्सानियत का पहला मापदंड है. लेकिन आज भाई-भाई के बीच नहीं बन रही है, किसी को पैसे का घमंड है, किसी को पहुंच का घमंड है. लेकिन हम भूल जाते हैं कि मरने के बाद केवल और केवल हमारा स्वभाव ही लोगों को याद रहता है. इसलिए जितना संभव हो सके, इन्सानियत की ज्योति जलाने का प्रयास करें.

विदर्भ स्वाभिमान

कमाने का सुनहरा अवसर,विज्ञापन सहयोगी चाहिए

विदर्भ में तेजी से लोकप्रिय, आचार-विचार और संस्कारों को बढ़ावा देने वाले विदर्भ स्वाभिमान को विज्ञापन सहयोगी की आवश्यकता है. बाजार पर पकड़ रखने वाले और आर्थिक मजबूती के साथ ही संभाषण कला में निपुण युवक-युवतियां संपर्क करें. काम के आधार पर मानधन और उनके द्वारा किए गए व्यवसाय पर कमीशन भी दिया जाएगा. मेहनती तथा काम के प्रति जिद्दी युवक-युवतियां ही संपर्क करें.संपर्क का समय सुबह 10-12 बजे

मोबाइल 9423426199/8855019189

वार्ड संवाददाता चाहिए

अमरावती महानगर पालिका क्षेत्र में समस्याओं का अंबार लगा हुआ है. वार्ड की समस्याओं को प्रमुखता से उठाने का फैसला विदर्भ स्वाभिमान ने लिया है. ऐसे में वार्ड स्तर पर संवाददाताओं की नियुक्ति करनी है. समस्या की समझ के साथ ही समाजसेवा में रूचि रखने वाले युवा संपर्क कर सकते हैं. अपने क्षेत्र की समस्याएं आप भी जागरूक नागरिक के रूप में देकर प्रशासन तक पहुंचा सकते हैं. अपने क्षेत्र में मार्केटिंग के साथ ही विज्ञापन व्यवसाय के माध्यम से बेहतरीन कमाई भी कर सकते हैं. मेहनत करने की तैयारी वाले ही तत्काल संपर्क करें

संपर्क

छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती

मो. 9423426199/8855019189

विदर्भ स्वाभिमान

सदस्य बनें

विदर्भ स्वाभिमान संस्कारों का प्रोत्साहित करने वाला अखबार है. बच्चों के लिए यह ज्ञान का भंडार है. इसकी सदस्यता का अभियान चल रहा है. ऐसे में सदस्य बनने के इच्छुक संपर्क करें. मार्केटिंग करने तथा पेपर बांटने के लिए लड़के चाहिए.

संपर्क

छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती.

मो.9423426199

श्रृंगी ऋषि के सानिध्य से पुनीत तपोवनेश्वर शिव मंदिर

हजारों भक्त दर्शन कर होते हैं कृत-कृत्य. अध्यक्ष अनिल साहू तथा ट्रस्टी हैं भोलेभक्त,सेवा में तत्पर

विदर्भ स्वाभिमान सावन का पावन माह

सावन का पावन महीना जिले में उत्साह से मनाया जा रहा है. यहां से त्यौहारों का मौसम ही शुरू होता है. हर भोले मंदिर में भक्तों की भीडड़ उमड़ रही है.

सावन का पावन महीना जिले में उत्साह से मनाया जा रहा है. यहां से त्यौहारों का मौसम ही शुरू होता है. हर भोले मंदिर में भक्तों की भीडड़ उमड़ रही है. अमरावती के गड़गड़ेश्वर महादेव, कोंडेश्वर महादेव के साथ ही प्राचीन तथा तपोभूमि तपोवनेश्वर महादेव का दर्शन करने के लिए भीड़ उमड़ पड़ी है. संस्थान के अध्यक्ष अनिल साहू स्वयं भोलेनाथ के भक्त हैं. इस मंदिर का प्राचीन इतिहास है. भोलेनाथ की सजावट यहां मन प्रसन्न कर देती है. यहां का प्राकृतिक वातावरण भक्त को अपार सुकून देता है. श्रीमद् भागवत कथा में भगवान श्रीकृष्ण ने 6 वे अध्याय में तप साधना स्थान कैसा हो, इसका वर्णन किया है उन्होंने कहा कि, ऐसा स्थान जहाँ एक बार बैठ गए तो उठने का मन न करे ऐसा स्थान जहाँ संत महात्माओंका वास हो, जहाँ के वायु मंडल में उसकी अनभूति हो, साधक वहाँ निवास करे, जडों से टहनियों तक सभी घने वृक्ष मिठास लाए, जहाँ स्वच्छ, शुद्ध, निर्मल पानी बहता हो, पानी में डुबकी लगाते हँस और चहचहाती कोयल और मस्ती में चूर मोर अपने पंख पसारे नाच रहे हो. जहाँ दूर कही मंदीर या मठ हो. जहाँ दिनभर घंटियाँ बजती हो. ऐसी जगह में तप-साधना करने में मनुष्य का मन रमता है. इसी तरह की अनभूति अमरावती शहर में स्थित एक स्थान पर होती है. जिसे तपोवनेश्वर नामसे जाना जाता है तपोवनेश्वर शहरसे 15 कि.मि. दूरी पर स्थित है. अमरावती-चांदूर रेल्वे मार्गपर स्थित इस स्थल को तपोभूमी भी कहा जाता है. शिव परिवार की महीमा दर्शानेवाले इस तपोवनेश्वर की भी अपनी एक पौराणिक कहानी है.

तपोवनेश्वर का जन्म त्रेतायुग में हुआ. उस समय गुफा में जागृत शिव मंदिर हुआ करता था. इस शिव मंदिर में श्रृंगीऋषी प्रतिदिन पूजा अर्चना करते थे. इस काल में श्रृंगी ऋषी पुत्रकामेष्ठी यज्ञ के पौरोहित्य के रूप में प्रचलित थे. राजा दशरथ की तीन रानियाँ थी. जिन्हे पुत्र प्राप्ती की लालसा थी. लेकिन उन्हे पूत्र प्राप्ती का योग नही मिल रहा था. इसलिये राजा दशरथ ने अपने राजगुरू श्री वशिष्ठ ऋषी से इस संदर्भ में अपनी चिंता जताई, तो उन्होंने पुत्र कामेष्ठी यज्ञ करवाने की सलाह दी. जिसमें तपोवनेश्वर क्षेत्र के पुरोहित श्री.

श्रृंगी ऋषी को आमंत्रित किया. राजा दशरथ की माता महारानी इंदुमती मूलतः विदर्भ के कौंडण्यपुर के राजा की पुत्री थी और श्री श्रृंगी ऋषी उनके राजगुरू थे. जिसके कारण राजा दशरथ के बुलावे पर वे अयोध्या गये और पुत्र कामेष्ठी यज्ञ किया. तब से इसे श्री श्रृंगी ऋषी के नाम से भी जाना जाता है.

पोहरा बंदी के तीन पहाड़ों में बसे जागृत शिव मंदिर के पास गुफा है जहाँ जलकुंभ भी है. इसी गुफा में श्री श्रृंगी ऋषी का आश्रम था ऐसा कहा जाता है. इस स्थान का संबंध द्वापर युग से भी है. रूक्मिणीजी की, माता अंबादेवी व एकवीरा देवी कुलस्वामीनी थी. लेकिन वह शिव की परम भक्त थी. जिसके कारण वे जब भी अंबादेवी मंदिर आती तो वह तपोवनेश्वर आने से भी नही चुकती थी. गुफा मार्ग से वह तपोवनेश्वर व कौंडण्यपुर में दर्शन करने आती थी इसी कारण द्वापर युग में भी रूक्मिणी हरण के समय श्री श्रृंगी ऋषी के आश्रम में उन्होंने माथा टेका था ऐसा कहा जाता है, ऐसे पौराणिक कथाओंसे जूडे तपोवनेश्वर के इतिहास के पन्नों को आगे पढे तो पता चलता है कि, योगीराज सद्गुरु सीताराम गिरी महाराज ने भी भगवान दर्शनों के लिये काशी से विदर्भ की ओर रूझान किया था. काशी के योगीराज सीताराम गिरी महाराज 1870-80 मे विदर्भ के तपोवनेश्वर में आए. जागृत शिवलिंग की लीलाओं को देखकर मंत्रमुग्ध हुए. योगिराज यहाँ के निसर्गमय वातावरण में रम गए. घने जंगल व घास की झोपड़ी में रहकर अखंड धूनी और जंगली श्वापदों के साथ उन्होंने कठोर तपस्या की. जंगल से कंद मूल लाकर उसीपर आनी जीविका चलाना और भगवान शिव की आराधना करना यही उनके जीवन का चक्र था. उस समय भारत में स्वतंत्रता के लिये युद्ध हो रहा था और तपोवनेश्वर में शिव महिमा का बखान हो रहा था. लेकिन गुफा के अंदर यानी श्री श्रृंगी ऋषी के आश्रम में बने शिवलिंग का दर्शन केवल योगीराज ही ले पाते थे. आम आदमी उस गुफा में प्रवेश नही कर पाता था. जिसके कारण योगीराज ने उस शिवलिंग को गुफा के बाहर स्थापित किया. शिवलिंग का आकार अन्य शिवलिंग के मुकाबले अलग है. शिवलिंग की आकृती अधूरी है. वही पिंड त्रिकोणाकृती आकार का है. इस मंदिर में शिवलिंग के साथ उनका परिवार भी स्थित है. मंदिर में दक्षिण पद्धती से बनाई गई भगवान शिव-पार्वती की मूर्ति है. इसके अलावा दाहिने हाथपर गणेश व दाए हाथ पर भगवान कार्तिकेय की मूर्ति भी स्थापित है. मंदिर से बाहर आते ही वही पर गुफा दिखाई देती है. गुफा के बाजू मे शिव- पार्वती की काले पत्थरोंकी मूर्तिया है, जिसके दोनों ओर नंदी विराजामन है. गुफा से थोडी ही दूर जाये तो पुरानी शिलाओंसे बना हनुमान मंदिर है. कहा जाता है कि, योगीराज सीतारामदास मूलतः मधोलकर पेठ के निवासी थे. उनके गुरू श्री. बजरंगदास महाराज तपस्या करने तपोवनेश्वर आते थे. जहाँ उनकी मुलाकात सीताराम गिरी महाराज से हुई, दोनोंने मिलकर हनुमान मंदिर स्थापित किया. हनुमान मंदिर से लगकर भगवान विष्णू व महालक्ष्मी का मंदिर है. इस मंदिर की मूर्तिया विठ्ठल-रूक्मिणी की तरह नजर आती है तथा उनकी रचना व रंग उन्ही की तरह है.थोडा आगे जाकर भगवान भैरवनाथ का मंदिर दिखाई देता है. भगवान भैरवनाथ का शिला मुख अंकित है. बाबा भैरवनाथ मंदिर को उनका ही नाम क्यो दिया गया? इसका कोई इतिहास नही है. लेकिन योगीराज ने नाम दिया, इसलिये परिसर के लोग उसे भैरव बाबा का मंदिर कहते है. परिसर में अखंड बेल का वृक्ष भी है जिसका ग्रंथो मे भी उल्लेख है. काशिखंड में इसका महात्म्य पढने को मिलता है. शिवालय के चारो ओर बेल के वृक्ष पाए जाते है लेकिन दुर्लभ प्रजाति वाला अखंड बेल का यह वृक्ष नष्ट हो चुका है. फिलहाल परिस में का पेड मात्र बचा है, जिसकी महाशिवरात्री व श्रावण माह में उत्साह के साथ पुजा की जाती है. प्रत्यक्षदर्शियों के मताबिक योगीराज स्वयं ही महाशिवरात्री के पर्व पर विभूतियों के दर्शन के लिये गुफा में जाते थे. उस समय उनके साथ हिंगणघाट की उनकी मानसकन्या बालयोगी संत लक्ष्मीमाता भी रहती थी, इसी कारण उनका नाम गुफावाले बाबा भी पड़ा.योगीराज बाबा 15 साल की उम्र में तपावेनेश्वर आये. उन्होंने 100 साल से भी अधिक तपस्वी जीवन यहाँ बिताया. उनकी पादुका को लेकर उनकी मानसकन्या हिंगणघाट लौट चूकी थी. वहाँ साई प्रतिष्ठान में आज भी वह पादुका स्थित है. योगीराजजी ने अपने जीवनकाल में नेपाल नरेश के गुरू स्वामी श्री. नरहरीनाथ के साथ सत्संग किया. उन्होंने भक्तोंको ईश्वर भक्ती का मार्ग दिखाया. इस स्थल को साधना का गुप्ता स्थान कहा जाता है.

योगीराजजी की मृत्यु के बाद गुंफा का द्वार बंद कर दिया गया. मृत्यु से पूर्व उन्होंने गुंफा में मंदिर होने की बात कही थी. लेकिन गुँफा में कभी किसी ने जाने का प्रयास नही किया. बाबा के लीये भक्तोंने 3 जून 1978 में योगाश्रम बनाया था जो आज भी मौजूद है और यहाँ बाबा समाधी लगाते थे तथा विश्राम करते थे. योगीराजजी की मृत्यु के पश्चात उनकी समाधी वही मन्दीर के पास बनायी गयी. उसके पासही बाबा की अखण्ड धनी के पास योगीराज सद्गुरू श्री सितारामगिरी बाबा ध्यान मुद्रा में बैठे से लगते है.

गुंफा में स्थित जलकुंड का पानी कहाँसे आता है वह किसी को नही मालूम, लेकिन उससे तपावेनेश्वर के आस-पास स्थित अपने आप जल का स्तर बढता है, इसके अलावा विष्णू, महालक्ष्मी मंदिर के पास एक शिलालेख जिस पर गणेश की प्रतिमा की आकृती है, वह मंदिर का प्रवेशद्वार था ऐसा कहा जाता है. परिसर में आज भी द्वापर व त्रेतायुग के शिलालेख पाये जा सकते है.महाशिवरात्री सप्ताह और श्रावण माह में विविध कार्यक्रम चलाये जाते है. पिछले 30 वर्षोंसे मन्दीर में भक्तों की सविधा के लीये बांधकाम किया जा रहा है. खूदाई में मिले प्राचीन शिलालेख पर बने सभी मंदिरों को छोटे-छोटे मंदिरों में परिवर्तीत किया गया है. मंदिर में धर्मशाला, भोजनकक्ष बनाया गया है. इसके अलावा ध्यान सभागृह, निवासस्थान भी बनाया जा रहा है . मंदिर के ट्रस्टी मिलकर इस जागृत देवस्थान की विकासात्मक रचना कर रहे है. जिसमें ट्रस्ट के अध्यक्ष अनिल साहू, उपाध्यक्ष लच्छुरामजी पवार, सचिव प्रविण सावळे, विश्वस्त देवराव भोरे, हरिभाऊ बाहेकर, वासुदेवराव भुजाडे, रूपचन्द्र खंडेलवाल, रामचंद्र गुप्ता, साहेबराव ठाकरे, दिलीप ठाकरे, राजेश आंचलीया आदी सहयोग दे रहे है. सभी के सहयोग से बननेवाले इस धार्मिक स्थलपर स्कूली छात्र, नागरिक भेट देने आते है तथा सामाजिक संस्था निवासी शिबीर होते रहते है.ऐसे अति प्राचीन शिव मंदीर में महाशिवरात्री सप्ताह मनाया जा रहा है. जिसमें सुबह 6.00 बजे से रात 12.00 बजे तक भजन संध्या, होम हवन, गरूपाठ, दुग्धाभिषेक, रूद्राभिषेक जैसे विविध कार्यक्रम सदैव चलते रहते हैं. सावन के पावन महीने में मंदिर में न केवल अमरावती बल्कि विदर्भ तथा राज्य भर से भोलेनाथ भक्त आते हैं. तपोभूमि रहने के कारण यहां आने वाले हर व्यक्ति को अपार सुकून और संतोष का अनुभव होने की बात भोलेनाथ भक्त नितिन भोरे, सत्यप्रकाश दुबे जैसे हजारों भक्त बताते हैं. इस साल भी भोलेनाथ के दर्शन कर पुण्यलाभ कमाने का आग्रह संस्थान के अध्यक्ष अनिल साहू तथा अन्यों द्वारा किया गया है. अमरावती से हजारों व्यापारी भोलेनाथ का दर्शन करने के लिए जाते हैं. इन सभी को अपार सुकून की अनुभूति होती है. भक्तों की मनोकामनाएं यहां पूरी होती है. हर-हर महादेव, हर हर तपोनेश्वर महादेव की घोषणाएं यहां गूंजती है.

अनिल साहू,
अध्यक्ष, श्री तपोवनेश्वर संस्थान,दर्जनों संगठनों के वरिष्ठ पदाधिकारी.

आराधना फ़ैशन पहचानता है ग्राहकों की सदैव नब्ज

अमरावती-वस्त्रों के महाखजाना आराधना के सेल में अपार भीड़ उमड़ पड़ी है. कंपनी के रेट में साड़ियां तथा अन्य मटेरियल यहां मिलने और भारी छूट रहने के कारण ग्राहकों की भारी भीड़ खरीदी के लिए उमड़ पड़ी है. विदर्भ में सेल की शुरूवात करने वाले आराधना फैशन्स ने जहां अपना अलग स्थान समूचे विदर्भ में बनाया है. वहीं दूसरी ओर आराधना के फ्रेश स्टॉक सेल को सभी का अपार प्रतिसाद मिला है.फैशन सहित गुणवत्ता के साथ रियायती कीमत देने में विश्वास रखते हैं. वर्षों का ग्राहकों का यही भरोसा आराधना शोरूम को समूचे विदर्भ में अपार लोकप्रियता दिला रहा है. ग्राहकों के ऋणानुबंध को समझते हुए आराधना फ्रेश स्टॉक में कंपनी की कीमतों में वस्त्रों को उपलब्ध कराया गया है. बच्चों से लेकर युवाओं,युवतियों, महिलाओं सभी को उनके बजट में बेहतरीन गुणवत्ता के कपड़े उपलब्ध कराने में इसका कोई जवाब नहीं है.

आराधना में आराधना डिजायनर साड़ियां, सिल्क साड़ियां, घाघरा ओढ़नी, रेडी टू वियर साड़ीज, सलवार शूट, लाछा सूट, वनपीस, कुर्ती ज, टॉप व लेडीज जिन्स के साथ ही मेन्स वेयर, ट्राऊजर्स, शर्ट, टी शर्ट पर भी फ्रेश स्टॉक सेल उपलब्ध है.एक बार भेंट देकर स्वयं अनुभव करने का आग्रह किया है. ग्राहकों को मिलों से बुलाया गया माल भारी रियायत के साथ देने का जहां प्रयास किया जा रहा है, वहीं ग्राहकों के साथ आराधना के ऋणानुबंध को और अधिक मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है. अमरावती ही नहीं तो आराधना में सालभर ग्राहकों के लिए कोई न कोई स्कीम शुरू रहती है.पुरूषोत्तम मास के साथ पवित्र श्रावण महीने और भाई-बहन के पवित्र रिश्तों के महापर्व रक्षाबंधन के उपलक्ष्य में यह सेल लगाने की जानकारी दी गई है. प्रतिष्ठान के संचालकों के मुताबिक सालभर ग्राहकों के अपार प्यार के कारण ही आराधना की लोकप्रियता तेजी से बढ़ी है.संचालक पूरणसेठ हबलानी के मुताबिक ग्राहकों के प्रेम को ध्यान में रखते हुए मिलों से सीधा माल ग्राहकों तक पहुंचने के कारण ग्राहकों को भारी लाभ मिलता है.सेल में पूरी तरह से नया और फ्रेश स्टॉक रहता है. इसमें किसी तरह का डिफेक्ट और डैमेज नहीं रहता है. उल्लेखनीय है कि आराधना द्वारा अपने ग्राहकों को अधिकाधिक लाभ देने के इरादे से यह विशेष सेल का आयोजन किया गया है. ग्राहकों को न केवल रिजनेबल बल्कि अधिकाधिक रियायती दर में कपड़े, साड़ी सहित सभी प्रकार के वस्त्र उपलब्ध कराए जा रहे हैं. ग्राहकों का भी अपार प्यार उन्हें मिलने की जानकारी संचालकों ने दी. उनके मुताबिक विगत कई दशकों से ग्राहकों के अपार विश्वास और प्यार के कारण ही आज आराधना न केवल अमरावती जिले बल्कि राज्यस्तर पर लोकप्रिय प्रतिष्ठान बना है.विश्वसनीयता के साथ रियायती कीमत जैसी खूबियों ने इसे सदैव आगे रखा है.

रविन्द्रसिंग सलूजा, डॉ.सलूजा, नमन सलूजा तथा होटल ईगल ईन, विरसा परिवार,अमरावती

मानवधर्म निभाने वाले होते हैं अमर, सदैव अच्छा करने का प्रयास करें

समाजसेवी बिट्टूभैया सलूजा ने 15वीं वर्षगांठ पर दी शुभकामनाएं

अमरावती- जीवन हमें प्रभु ने दिया है लेकिन कई बार उन्हें भुलाते हुए केवल आगे बढ़ने, बहुत पैसे कमाने और न परिवार, न समाज और न ही राष्ट्र के लिए करने की मानसिकता होती है. ऐसी कमाई का भी कोई अर्थ नहीं रहता है. हमें जीवन दिया है तो मानवता की सेवा करने का प्रयास करने के साथ ही सदैव अच्छाई के माध्यम से दिलों को जोड़ने का प्रयास करना चाहिए. विदर्भ स्वाभिमान ने सदैव पत्रकारिता के आदर्श मापदंडों का पालन किया है. यही कारण है कि इनके विशेषांक न केवल महाराष्ट्र बल्कि गुजरात और मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश तक जाते हैं. चौदह साल में इस समाचार पत्र ने मानवता का दीपक जलाए रखा है. पंद्रहवें वर्ष में पदार्पण पर हमारी हार्दिक शुभकामनाएं. इन शब्दों में सुख्यात व्यवसायी और समाजसेवी तथा होटल ईगल इन तथा बडनेरा रोड के शानदार विरसा होटल के संचालक रविन्द्रसिंग सलूजा उर्फ सभी के चहेते बिट्टूभैया ने अपनी भावनाएं व्यक्त की.

समाचार पत्रों की बढ़ती भीड़ में कुछ ही लोग आज के दौर में पत्रकारिता के आदर्श उसूलों पर चलते हुए पत्रकारिता करते हैं. इनके लिए यह व्यवसाय नहीं बल्कि समाज, राष्ट्र को जागरूक करने का माध्यम रहता है. मानवता, भारतीयता और संस्कारों को प्रोत्साहित करने वाले समाचार पत्र के रूप में विदर्भ स्वाभिमान ने अपना स्थान बनाया है. इसमें कभी भी नकारात्मकता, किसी को नाहक बदनाम करने तथा अन्य हथकंडों का उपयोग नहीं किया जाता है. इसकी बजाय सामाजिक, राष्ट्रीय, धार्मिक विषयों पर विशेषांक के माध्यम से समाज का प्रबोधन करने का प्रयास किया जाता है. विदर्भ स्वाभिमान का यह प्रयास न केवल सराहनीय बल्कि अभिनंदनीय है. शहर की शान के रूप में पहचान रखने वाले बिट्टूभैया सामाजिक कामों में अग्रणी रहते हैं लेकिन कभी प्रचार की चाहत नहीं होती है. वे कहते हैं कि देने वाले रब होते हैं, वे तो केवल माध्यम है. किसी को मदद करते समय भी कहते हैं कि इसका गाजाबाजा करने की कोई जरूरत नहीं है. उनके मुताबिक विदर्भ स्वाभिमान द्वारा वर्तमान में परिवार के बिगड़ते गणित, माता-पिता की सेवा को लेकर किया गया प्रयास संभवतः किसी साप्ताहिक अखबार द्वारा किया गया पहला प्रयास होगा. इस किताब का विमोचन करने के साथ ही इसमें माता-पिता की महत्ता तथा माता-पिता की सेवा से होने वाले पुण्य का विशेष रूप से जिक्र किया गया है. समाजसेवी रविन्द्रसिंग सलूजा के मुताबिक अगर समाज के लिए कुछ करने का जज्बा हो तो स्थितियां कभी डिगा नहीं सकती हैं. इस बात को तमाम अवरोधों के बाद भी विदर्भ स्वाभिमान ने साबित किया है. श्रीराम लला की स्थापना, शिव महापुराण के आयोजन के साथ ही लेडी गवर्नर डॉ.कमलताई गवई के जन्मदिन पर प्रकाशित विशेषांक संग्रणीय है. इसके लिए निश्चित तौर पर संपादक की जितनी सराहना की जाए कम है. उन्होंने 15वें वर्ष में पदार्पण पर शुभकामनाएँ देते हुए उत्तरोत्तर प्रगति की कामना भी की.

आश्रमशाला के बच्चों को उपयोगी वस्तुएं प्रदान

अमरावती- जितना संभव हो सभी की मदद का भाव रखना चाहिए. इस आशय का प्रतिपादन लाखों बच्चों के जीवन में उजियारा लाने वाले मधुकरराव अभ्यंकर ने किया. बोराला में आश्रमशाला में छात्रों को जरूरी साहित्य वितरण कार्यक्रम में वे बोल रहे थे. यहां के बोराला आश्मशाला में जरूरी सहित्य का वितरण पत्रकार एड. दिलीप एडतकर ने किया . मुख्य अतिथि के रूप में भूमिपुत्र शिक्षण प्रसारक मंडल के अध्यक्ष दलितमित्र मधुकरराव अभ्यंकर उपस्थित थे . चंद्रपुरी महाराज शिक्षण प्रसारक मंडल चांदुर बाजार के सचिव विजयराव गोहत्रे की अध्यक्षता में यह कार्यक्रम हुआ . मंच पर समुह शिक्षा अधिकारी वकार अहमद खान राजकुमार वसुले संदिप शें डे संध्या रायबोले प्रभाकर सरदार रायजी प्रभु शेलोटकर धनराज चक्रे शैलेश टेकाडे कल्पना गोहत्रे प्रियंका काकड़े योगेश इसल गंगूबाई गोहत्रे सिंधुताई गोहत्रे रघुमाथ यावतकर सहित अन्य उपस्थित थे . संचालन जीवन चव्हाण परिचय अश्विन काले और आभार प्रदर्शन प्राचार्य अरुणा गुड्डे ने किया . कार्यक्रम की सफलता के लिए गणमान्य

महिलाओं को नमन और सम्मान
विदर्भ स्वाभिमान
नारी तू ही नारायणी
सदस्यता पंजीयन शुरू
विदर्भ स्वाभिमान नारी युवा मंच की सदस्यता पंजीयन का अभियान आरंभ हो गया है. आप भी फार्म भरकर सदस्य बनकर अपनी खुशियों को बढ़ाने का काम कर सकती हैं. सदस्य बनने के लिए कार्यालय में संपर्क करें.
मो. 8855019189
9518528233

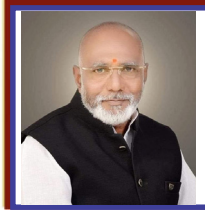

अनिल साहू अध्यक्ष, तपोनेश्वर संस्थान, प्रा. साहू तथा साहू परिवार,अमरावती

भक्तिभाव का सैलाब, मोर्शी में 12 को महाशिव कावड़ यात्रा

अमरावती- जिले में भोलेनाथ भक्ति का सैलाब आ गया है. सभी ओर बम-बम भोले की घोषणाओं से पूरा जिला गूंज रहा है. इस कड़ी में 12 अगस्त को 251 कलश वाली शिव कांवड़ यात्रा मोशी से सीधे श्री क्षेत्र सालबर्डी के लिए निकलने वाली है. इसमें बड़ी संख्या में भक्तों से सहभागी होने का आग्रह किया गया है.

पिछले कई साल से यह यात्रा निकल रही है और वहां की गुफा में स्वयं रहनेवाले महादेव की शिवलिंग पर पानी छोड़ा जाएगा. मोर्शी शहर के बालाजी मंदिर से कांवड़यात्रा छत्रपति शिवाजी महाराज चौक जयस्तंभ चौक रामजीबाबा मंदिर चौक से मार्गक्रमण करते हुए श्री क्षेत्र पाला श्री महादेव महाराज मंदिर सालबर्डि पहली शिडी श्री क्षेत्र सालबर्डी से स्वयंभु शिवलिंग पर पानी छोड़ा जाएगा . शिव भक्तों के कंधे पर माता नर्मदा का जल यह महादेव की शिवलिंग पर अर्पण कर शहर तथा तहसील की बीमारी निराशा किसानों का संकट दूर करने का विश्वास रखकर कांवड़ यात्रा का समापन होगा. इस तरह की जानकारी यात्रा समिति के अध्यक्ष रवींद्र गुल्हाने व उपाध्यक्ष योगेश गणेश्वर ने दी . इस कांवड़ यात्रा से समूचे शहर में व शिवभक्तों में उत्साह का माहौल है . इसमें हजारों भक्तो का सहभाग मिलेगा .इस कांवड़यात्रा में 251 कलश रहेंगे जिसमें पुरूषों की 151 कलश कांवड़ 51 महिलाओं का कांवड़ व 51छोटे बच्चों के कलश कांवड़ रहेंगे . इस शिव कांवड़ यात्रा में भस्म आरती पथक उज्जैन स्थित महाकाल डमरू पथक महादेव के गीतों का पथक शंकर भोलेनाथ शिवलिंग पवन पुत्र हनुमान की मूर्ति की झंकियां शामिल रहेगी . शिव कांवड़ यात्रा में शहर के ही नहीं बल्कि समूची तहसील से प्रतिसाद बढ़ रहा है. क़ावड यात्रा की तैयारियां तेजी से की जा रही हैं. भक्तों से शामिल होने का आग्रह किया गया है.

डॉ. नीरज मुरके
वैद्यकीय अधीक्षक
डॉ. राजेंद्र गोडे मेडिकल कॉलेज व हॉस्पिटल,मार्डी रोड , अमरावती

अवयव दान होता है जीवनदान का अहम् कार्य

विश्व अवयव दान दिन 13 अगस्त पर विशेष

इन्सान ही इंसान के जीवन का दाता है. अंतिम समय में भी वह इन्सानियत अवयव दान कर किसी को जिंदगी देकर निभा सकता है. इस बारे में डॉ. नीरज मुरके द्वारा लिखा गया यह लेख विदर्भ स्वाभिमान के पाठकों के लिए यहां प्रस्तुत है. इसका महत्व और उपयोगिता पर बेहतरीन तरीके से उन्हों ने लिखा है. अवयवदान, जिसे अंगदान के नाम से भी जाना जाता है, एक ऐसा महत्त्वपूर्ण कार्य है जो किसी व्यक्ति की मृत्यु के बाद उसके अंगों को दूसरे ज़रूरतमंद व्यक्ति की जीवन रक्षा के लिए दान किया जाता है. यह एक निस्वार्थ और मानवता की सेवा का प्रतीक है, जो कई लोगों की जिंदगियों को नई आशा और जीवन प्रदान कर सकता है.

अवयवदान का महत्त्व

भारत में हर साल लाखों लोग गंभीर बीमारियों या दुर्घटनाओं के कारण अपनी जान गंवा देते हैं, जबकि उनके जीवन को बचाने के लिए उन्हें अवयवों की आवश्यकता होती है. जैसे कि किडनी, लिवर, ह्रदय, और फेफड़े जैसे महत्वपूर्ण अंगों की कमी के कारण कई मरीजों की समय पर उपचार नहीं हो पाता. अवयवदान इन मरीजों के लिए जीवनदान के समान होता है.

कौन कर सकता है अवयवदान ?

हर व्यक्ति जो शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ है, वह अवयवदान कर सकता है. मृत्यु के बाद, यदि व्यक्ति के अंग स्वस्थ और उपयोगी होते हैं, तो उन्हें दूसरे मरीजों को दान किया जा सकता है. यहां तक कि जीवित व्यक्ति भी कुछ अंगों का दान कर सकते हैं, जैसे कि एक किडनी या लीवर का हिस्सा.

अवयवदान की प्रक्रिया

अवयवदान की प्रक्रिया बेहद संवेदनशील होती है. जब कोई व्यक्ति ब्रेन डेड घोषित किया जाता है, तब उसके परिजनों की सहमति से उसके अंगों को दान किया जा सकता है. डॉक्टरों की एक टीम उस व्यक्ति के अंगों की जांच करती है और फिर उन अंगों को निकालकर ज़रूरतमंद मरीजों को प्रत्यारोपित किया जाता है.

अवयवदान के प्रति जागरूकता

अवयवदान के प्रति समाज में जागरूकता फैलाने की आवश्यकता है. कई बार लोग धार्मिक या सामाजिक मान्यताओं के कारण अवयवदान के लिए सहमत नहीं होते, लेकिन सही जानकारी और संवेदनशीलता के साथ उन्हें इसके महत्त्व को समझाया जा सकता है. इसके लिए सरकार और गैर-सरकारी संगठनों द्वारा कई अभियान चलाए जा रहे हैं.

रक्त और बोन मैरो (अस्थि मज्जा) को जीवित व्यक्ति भी दान कर सकता है. इसके साथ ही जिसे प्रत्यारोपण की जरूरत है उसके रक्त संबंधियों को आंशिक रूप से लीवर और किडनी दान करने के लिए कानून द्वारा अनुमति मिली है. अन्य तरह के अंगों के दान के लिए व्यक्ति को डॉक्टरों द्वारा 'ब्रेन डेड' यानी मस्तिष्क मृत घोषित किया होना चाहिए.दिल , फेफ़डे , किडनी , लिवर , कॉर्निया , चमड़ी , पैनक्रीयास , आँत , बोन मैरो , टेंडन , नर्व और हार्ट के वाल्व इनका दान किया जा सकता है.अवयवदान एक महान कार्य है जो किसी अन्य व्यक्ति को नया जीवन प्रदान कर सकता है. हमें इसे लेकर अपने समाज में सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करना चाहिए और जितना हो सके, इस दिशा में योगदान देना चाहिए. एक अवयव दान से न जाने कितने लोगों की जिंदगी में खुशियां लौट सकती हैं. इसलिए, अवयवदान के प्रति जागरूक रहना और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करना हमारी जिम्मेदारी है. इंसानियत की खातिर सभी को इस मामले में ध्यान देते हुए जिम्मेदारी और मौत के समय देहदान या अवयव दान करते हुए किसी को जीवन देने का प्रयास करना चाहिए.विदर्भ स्वाभिमान के 15वें वर्ष में पदार्पण पर शुभकामनाएँ दी.

डॉ. नीरज मुरके
वैद्यकीय अधीक्षक
डॉ. राजेंद्र गोडे मेडिकल कॉलेज व
हॉस्पिटल,मार्डी रोड , अमरावती

जितन बन सके, सदैव नेकी करते रहें, ऊपरवाले का आशिर्वाद मिलेगा

समाजसेवी डॉ.अबरार अहमद ने 15वीं वर्षगांठ पर दी शुभकामनाएं

विदर्भ स्वाभिमान,7 अगस्त

अमरावती- ज़ीवन में किसी भी रूप में की गई नेकी कभी बेकार नहीं जाती है. इसलिए इंसान जन्म मिला है तो धन-दौलत नीचे रहने तक साथ रहेगी लेकिन नेकी के लिए व्यक्ति सदैव याद किया जाता है. इंसानियत की ज्योति जलाने वाले सदैव रहता है. इसी भाव को रखते हुए दो दशकों का गहन अनुभव रखने के बाद भी 20 रूपए में दंत सेवा देने वाले डॉ. सैय्यद अबरार सैय्यद मजीद पहले ऐसे चिकित्सक हैं, जिनकी ख्याति पूरे विदर्भ ही नहीं बल्कि पूरे देश में फैल रही है. उनके अस्पताल में मरीजों का मेला लगता है. मरीजों को कम से कम में बेहतरीन सेवा देने के साथ ही 56 वर्षी य डॉ. सैयद अबरार कहते हैं कि ऊपरवाले ने जो कला दी है, उसका सही उपयोग गरीबों और जरूरतमंदों के लिए करने का प्रयास करते हैं. उन्होंने 1994 में बीडीएस पास किया है. इसके बाद से कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा. बचपन से ही संवेदनशील और मानवतावादी रहे हैं.

1995 में क्लिनिक शुरू

बचपन से ही माता-पिता के आदर्श बेटे तथा मेधावी छात्र रहे डॉ. सैयद अबरार ने बीडीएस करने के बाद 1995 में नागपुरी गेट अमरावती में दंत अस्पताल शुरू किया. सेवाभाव बचपन वाला ही है. उन्हें अभी तक दर्जनों पुरस्कार मिल चुके हैं. महंगाई में जहां नए डाक्टरों की फीस 500 है, वहीं 26 साल से उनकी फीस केवल 20 रूपए और उपचार बड़ा अस्पताल से भी बेहतरीन करते हैं. पिछले 26 सालों से प्रैक्टिस कर रहे हैं. उनके पास शहर ही नहीं पूरे जिले और बाहर से भी मरीज आते हैं.पूरे विदर्भ में बेहतरीन डाक्टर और बेहतरीन इंसान के रूप में उन्हें जाना जाता है. दिव्यांग मरीजों के साथ ही गरीब बुजुर्गों की हरसंभव मदद करते हैं. सुबह 12 बजे से अस्पताल में मरीजों का रोज मेला लगता है. मरीज उन्हें जहां ऊपरवाले के प्रेम वाला बंदा मानते हैं, वहीं लोकप्रियता में भी आगे हैं. विदर्भ स्वाभिमान को मानवता को समर्पित अखबार बताते हुए 15वें वर्धापन दिन पर शुभकामनाएं दी.साथ ही इस अखबार की प्रगति की कामना की.

सेवा भाव में भी अग्रणी है राणा दंपति

नेत्र जांच तथा चश्मा वितरण से हजारों लाभान्वित

विदर्भ स्वाभिमान,7 अगस्त

अमरावती-बचपन की गरीबी का पड़ा असर व्यक्ति कभी जीवन में नहीं भूलता है. विधायक रवि राणा जितने सफल युवा नेता बने हैं बचपन से ही अपनी कमाई का 25 हिस्सा गरीबों की मदद में लगाने वाले वह पहले विधायक हैं. विकास को सदैव प्रोत्साहन देने के साथ ही करोड़ों रूपए सरकार से लाने वाले राणा दम्पति द्वारा विकास को सदैव महत्व दिया जाता है. पूर्व सांसद नवनीत राणा आज पद पर नहीं रहने के बाद भी जिस तरह का सम्मान उन्हें दिया जा रहा है अमरावती के राजनीति में आमतौर पर यह भाग्य बहुत कम लोगों को मिला है. हार की गम को बलाते हुए राणा दंपति द्वारा अपने संपर्कों का उपयोग करते हुए जहां जिले में विकास को गति दी जा रही है वहीं दूसरी ओर गरीबों और जरूरतमंदों के लिए युवा स्वाभिमान पार्टी द्वारा नेत्र जांच तथा निशुल्क चश्मा वितरण का कार्यक्रम अमरावती जिले में चल रहा है. देश का भविष्य छात्र होते हैं इसको ध्यान में रखते हुए युवा स्वाभिमान पार्टी द्वारा मेधावी छात्रों का सत्कार भी हर स्थान पर किया जा रहा है.

कहते हैं कि पद से जाने के बाद किसी का कोई महत्व नहीं रहता है लेकिन अपार लोकप्रियता प्राप्त राणा दंपति इसके अपवाद हैं. अमरावती के सांस्कृतिक भवन में मेधावी छात्रों के सत्कार कार्यक्रम में उमड़ा अपार जन समुदाय जहां इसका उदाहरण है वहीं दूसरी ओर धारणी में नवनीत राणा के स्वागत के लिए जिस तरह से हजारों लोगों की भीड़ उमर पड़ी थी स्वयं लोगों के इस प्रेम को देखकर नवनीत राणा की आंखें नम हो गई और उन्होंने खुद कहा कि पद आते हैं जाते हैं लेकिन वे स्वयं को भाग्यशाली मानती है कि लोगों का इस तरह का अपार प्रेम उन्हें सदैव मिलता है. लोगों के प्रेम पर विश्वास रहने तथा फिर एक बार लोगों द्वारा ही उन्हें पसंद करने की बात करते हुए उन्होंने कहा कि वह हार गई इसका दुख उन्हें नहीं है बल्कि उन्हें इस बात का दुख है कि उन्होंने जिले के सर्वांगीण विकास के लिए जो सपना देखा था अमरावती का वह विकास 10 साल पीछे चल गया. धारनी के नागरिकों ने सदैव सम्मान प्रेम तथा अपनापन दिया है लोगों का यह प्रेम उनके लिए बड़े से बड़े पद से भी अधिक महत्वपूर्ण है.

सदेव सेवा करती रहूंगी

भाजपा की राष्ट्रीय स्तर की नेता नवनीत राणा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा तथा महाराष्ट्र के उपमख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस सहित सभी वरिष्ठ नेताओं के मार्गदर्शन में विकास के साथ जन सेवा का कार्य लगातार शरू रहेगा. राणा दंपति के प्रयासों की सराहना करने के साथ-साथ आज भी कई लोग यह कहने से नहीं चूकते की अमरावती के विकास के मामले में लोकसभा चनाव में गलती हुई है. साईनगर में 5 करोड़ के विकास कामों के भूमिपूजन पर सभी से उपस्थित रहने का आग्रह सचिन भें डे तथा युवा स्वाभिमान पदाधिकारियों द्वारा किया गया है.

सुंदरकांड में झूमे भक्त

अमरावती- शहर के सबसे पुराने बडनेरा रोड के संकटमोचन मंदिर तथा रविनगर के हनुमान मंदिर में शनिवार ,3 अगस्त को संगीतमय सुंदरकांड कार्यक्रम में भक्त झूम उठे. कार्यक्रम में परिसर के भक्त बड़ी सखें या में उपस्थित थे मंदिर में शनिवार को सुबह से लेकर शाम तक हजारों की संख्या में भक्तों ने रविनगर हनुमान मंदिर में पहुंचकर दर्शन का लाभ लिया.

राजपुरोहित डिजिटल स्टुडियो
शादी-ब्याह का रंग, हमारे संग
आधुनिकतम साज-सज्जा के साथ ही रियायती कीमत में बेहतरीन गुणवत्ता क़ी विडियो शूटिंग के लिए शहर ही नहीं तो समूचे विदर्भ में एकमात्र विश्वसनीय केन्द्र.फोटोग्राफी, विडियो शूटिंग के साथ अलबम के काम किए जाते हैं.
राजपुरोहित फोटो स्टुडियो
कृष्णार्पण कॉलोनी, संत लहानुजी महाराज मंदिर के पास,अमरावती.अमरावती.
मो.9028123251

गुणवत्ता विश्वसनीयता तत्पर सेवा
शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबे, रजिस्टर, नोटबुक्स, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें,बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है.
--संपर्क--
प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक, अमरावती.

सन 1967 पासून
अमरावती शहरात वाजवी दरात सर्वात जास्त प्लाटस्चे सौदे करणारे एकमेव इस्टेट एजंट
संजय एजंसीज्
टाऊन हॉल समोर, नेहरू मैदान,अमरावती.
फोन 2564125,2674048